an>

Title: Need to relax norms for wheat procurement in view of untimely rains resulting in crop damage.

श्री रवनीत सिंह (लुधियाना) : उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपका ध्यान पंजाब में फसलों की हो रही बर्बादी की ओर लेकर जाना चाहता हूं। करीब 14 राज्यों में जो बेमौसमी बारिश हुई है इससे काफी नुकसान हुआ है। पंजाब में गेहूं ज्यादा डिस्कलरड हुआ है, उसका रंग बदला है, गेहूं का दाना भी बहुत कमजोर और पतला हुआ है। जो खरीद एजेंसियां हैं वह भी उसकी खरीद के ऊपर ध्यान नहीं दे रही है, जिसकी वजह से खरीद नहीं कर रही है। जिसकी वजह से मंडियों में किसानों के अनाज के अंबार लग गए है। आज भी मौसम के खराब होने का बहुत बड़ा खतरा है क्योंकि सारा अनाज ओपन मंडियों में पड़ा है और किसान वहां बैठा है। इससे भी बहुत बड़ा नुकसान होने का खतरा है।

मैं एक मिनट में अपनी बात समाप्त करूंगा। कई स्टेट्स में सैंट्रल गवर्नमैंट की टीम सर्वे के लिए गयी है, जिसके बारे में आज मिनिस्टर साहब भी कह रहे थे। अगर हम नार्म्स चेंज की बात करें, तो जो गेहूं डिस्कलर हुआ है, उसमें गुजरात को 25 परसेंट, राजस्थान को 50 प्रतिशत, मध्य प्रदेश को 40 प्रतिशत और ऐसे ही हरियाणा को रिलैक्सेशन दी है। जो टूटा हुआ दाना है, उसमें हरियाणा, मध्यप्रदेश को दस परसेंट और राजस्थान को 9 परसेंट की रिलैक्सेशन दी है।

उपाध्यक्ष महोदय, पंजाब ने हमेशा देश में अनाज के भंडार भरे हैं, लेकिन आज तक वहां पर न तो कोई टीम भेजी गयी है और न ही प्रोक्योरमैंट, डिस्कलर या टूटे दाने के लिए नार्म्स बदले गये हैं। मेरी सरकार से मांग है कि वह पंजाब में जल्दी से जल्दी एक केन्द्रीय टीम भेजें, जिससे किसान को राहत मिल सके। किसान जो बाहर आसमान के नीचे बैठा है, वह भी अपना अनाज बेचकर घर जा सके। ...(व्यवधान)